ABHIJIT TRADING CO. LTD.

Mob.: +91-9711588531 +91-11-23637497

Regd. Off.: 16/121-122, Jain Bhawan, Faiz Road, Karol Bagh, New Delhi - 110005

E-mail: abhijitrading@gmail.com, Website: www.abhijittrading.in, CIN: L51909DL1982PLC241785

Date: - 10/11/2017

To,
Department of Corporate Services
Bombay Stock Exchange Limited,
P. J. Towers, Dalal Street,
Mumbai- 400001

Sub: - Filing of clipping of the Unaudited Financial Results published in the newspaper for the quarter & half year ended on 30.09.2017 as per SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. (Scrip Code: 539560)

Dear Sir,

In terms of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, please find attached herewith copies of News Papers- Naya India (Hindi News Paper) and Millennium Today (English News Paper) dated 10.11.2017 in which Unaudited Financial Results of the company has been published for the quarter & half year ended on 30.09.2017, as approved by the Board of Directors of the company in their meeting held on 09th November, 2017.

You are requested to take the above on your records and acknowledge the same.

For Abhijit Trading Co Limited

Noor Mohammad (Company Secretary)

Place: New Delhi

Encl: a/a

विया इडिया

जीएसटी से सोने

बेंगलुरा 🔳 वार्ता/डेस्क वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में सोने पर तीन प्रतिशत कर तय किये जाने से चालू कैलेंडर वर्ष की तीसरी तिमाही में देश में सोने की माँग करीब 25 फीदद गिर गई। दुनिया के दूसरे सबसे बड़े आयातक देश में मांग में इस कमी के कारण वैश्विक मांग आठ साल के निचले स्तर पर रह गई। विश्व स्वर्ण परिषद् की आज जारी रिपोर्ट के अनुसार 30 सितंबर को समाप्त तिमाही में देश में सोन की मांग 114.9 टन रही जबकि पिछले साल की समान तिमाही में यह 152.7 टन रही थी।

सोने की ईंटें तथा सिक्कों आदि की मांग (निवेश मांग) भी 23 फीसद घटकर 31 टन रह गयी। पिछले साल जुलाई से सितंबर के बीच यह 40.1 टन रही थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि जीएसटी लाग होने से पहले ही उपभोक्ताओं ने अपनी खरीद बढ़ा दी थी। इसलिए साल की

म यूपीआई से रुपये ा लेनदेन हुआ सरल

दिल्ली,वार्ता। सबसे बड़े मोबाइल वॉलेट रम ने अपने प्लेटफार्म पर भीम युपीआई का माल करके सरलता से किसी भी बैंक खाते पये भेजने एवं प्राप्त करने की सुविधा शुरू

पहली दो है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा की गई थीइसका उपयोग करना बहुत ही सरल है और सपाट रहीरम वॉलेट का उपयोग करने वाले ऐप पर में इसमें भी खुद की पेटीएम भीम यूपीआई आईडी बना गया है रते हैं जो पेटीएम पेमेंट्स बैंक द्वारा जारी की भी (मांग भी। पेटीएम के उपयोगकर्ता अपने बचत खाते जहाँ बड़े इस पेटीएम भीमें यूपीआई आईडी से लिंक बेहतर इंवेसकते हैं और पैसे भेजना तथा प्राप्त करना कर प्रणाल कर सकते हैं। पेटीएम भीम यूपीआई आईडी लिए तैया बैंकों तथा भीम यूपीआई ऐप पर स्वीकार की असंगठित ही है। उसने कहा कि पेटीएम भीम यपीआई सामना कडी बनाना बहुत सरल है। इस फीचर का

रिषद्। वर्तमान में पेटीएम एंड्रॉयड, ऐप पर उपलब्ध साल मिश्रिर जल्द ही यह आईओएस पर भी उपलब्ध

बिजनेस सुर्खियां

ब्याज दर में और कटौती की गुंजाइश सीमितः रजनीश

नई दिल्ली, भाषा। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन रजनीश कमार ने कहा कि ब्याज दर में और कटौती की गुंजाइश सीमित है। यह पूछे जाने पर कि ब्याज दर में कटौती का चक्र पूरा हो चुका है, उन्होंने कहा कि ऐसा ही लगता है। कुमार ने कहा, अगर आप बांड पर रिटर्न को देखे, उसमें हाल में तेजी आयी है। मझे लगता है कि जमा और कर्ज दोनों के मामले में , ब्याज दरों में और कटौती की गंजाइश सीमित है। जबतक आप जमा पर ब्याज दर में कटौती नहीं करते, कर्ज पर लिये जाने वाले ब्याज में कमी नहीं कर सकते..फिलहाल हम काफी हद तक स्थिर ब्याज दर की स्थिति में हैं। पिछले सप्ताह देश के सबसे बडा बैंक एसबीआई ने आवास एवं वाहन कर्ज के लिये ब्याज दर में 0.05 फीसद की कटौती की थी। यह पूछे जाने पर कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में सरकार की तरफ से पूंजी डाले जाने से क्या ब्याज दर में वृद्धि होगी, उन्होंने कहा, इसकी संभावना है।

नर्ड दिल्ली आ भाषा/डेस्क राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में वायु की गुणवत्ता बुरी तरह प्रभावित होने के बाद एयर प्यूरीफायर का बाजार गरमा गया है। हवा खराब होने से ग्राहक आनन-फानन में एयर प्यूरीफायर खरीद रहे हैं और कंपनियां इस मौके का लाभ उठाते हुए अपनी बिक्री में बढोतरी की उम्मीद

हालांकि प्रदूषण की हालत ऐसी है कि चिकित्सकों को भी इस तरह के उत्पादों के प्रभावी होने का शक है।

प्रमुख एयर प्यरीफायर कंपनियां ब्लू एयर, यूरेका फोर्ब्स, पैनासोनिक

आईटी ईटी क्षेत्र में आने वाले वर्ष नयुक्तियां होंगी धीमी: बालकृष्णन

ाबाद, भाषा। इन्फोसिस के पूर्व मुख्य वित्त अधिकारी वी बालकृष्णन ने कहा है कि देश में सचना गिकी क्षेत्र में नयी नियुक्तियों की रफ्तार कम हो सकती है। उन्होंने आईटी उद्योग का निर्यात इस 7 से 8 प्रतिशत बढ़ने के नासकाम के अनुमान को लेकर भी संदेह जताया है। हालांकि बालकृष्णन गिले साल उद्योग की अच्छी वृद्धि को लेकर उम्मीद जतायी।

इंडिया अ कुछ दिनों गुना बढी चिवि कहना है

में चेहरे प

एचडीएफसी बैंक ने हैदराबाद

में शुरु किया स्मार्टअप जोन

हैदराबाद, भाषा। निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक ने यहां स्मार्टअप जोन शुर करने की घोषणा की है। इसके तहत बैंक अपनी शाखाओं में स्टार्टअप के लिए एक अलग स्थान बनाएगा। बैंक ने एक बयान में कहा कि पहले चरण में शहर की गाचीवाओली शाखा में स्मार्टअप जोन बनाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इस इलाके को तेलंगाना में स्टार्टअप का गढ माना जाता है। बयान के मुताबिक हैदराबाद में करीब 2,000 स्टार्टअप काम कर रहे हैं जिनमें से करीब 350 के खाते एचडीएफसी बैंक में हैं। राष्ट्रीय स्तर पर देश के 30 शहरों की 65 शाखाओं में स्मार्टअप

जोन शुर किया जाएगा। इ दर्जे के शहर शामिल हैं जो पर उभर रहे हैं। इन स्मार्ट बैंक कर्मियों को तैनात उद्यमियों को बैंकिंग औ मुहैया कराएंगे।

सेंसेक्स में 32 की तेजी

मुंबई, आईएएनएस। दे गुरुवार को तेजी दर्ज की सेंसेक्स 32.12 अंकों 33,250.93 पर और नि गिरावट के साथ 10,30 बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बं

ABHIJIT TRADING CO LTD

Regd. Off: 16/121-122, Jain Bhawan, Faiz Road, W.E.A Karol Bagh, New Delhi-110005
CIN: L51909DL1982PLC241785 Email Id- abhijitrading@gmail.com
Website- www.abhijittrading.in, Ph. 011-23637497 Extract of Unaudited Financial Results for Quarter and half year Ended on 30th September 201

		Quarter Ended			Half year ended		Year Ended
Sr. No.		Current 3 Months Quarter ended (01.07.2017 to 30.09.2017	Previous 3 months Quarter ended (01.04.2017 to 30.06.2017)	Corresponding 3 months of Current Quarter ended in the previous year (01.07.2016 - 30.09.2016) (₹)	Current Half year ended		Previous accounting year ended (01.04.2016 to 31.03.2017)
		(Unaudited)	(Unaudited)	(Unaudited)	(Unaudited)	(Unaudited)	(Audited)
1	Total Income from Operations	1,824,928.50	1,822,770.00	1,824,358.60	3,647.698.50	3,660,892.05	7,420,751.05
2	Net Profit / (Loss) for the period (before tax, Exceptional and/or Extraordinary items)	1,675,687.87	1,471,311.00	340,071.36	3,146,998.87	1,062,532.47	2,388,076.33
3	Net Profit / (Loss) for the period before tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	1,675,687.87	1,471,311.00	340,071.36	3,146,998.87	1,062,532.47	982,151.33
4	Net Profit / (Loss) for the period after tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	1,675,687.87	1,471,311.00	340,071.36	3,146,998.87	1,062,532.47	255,109.33
	Total Comprehensive Income for the period [Comprising Profit / (Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)]	1,675,687.87	1,471,311.00	340,071.36	3,146,998.87	1,062,532.47	255,109.33
	Paid Up Equity Share Capital (Face Value of ₹10/-) each	14,661,950.00	14,661,950.00	14,661,950.00	14,661,950.00	14,661,950.00	14,661,950.00
2	Reserves (excluding Revaluation Reserve) as shown in the Audited Balance Sheet of the previous year				-		67810963.58
	Earnings Per Share (of ₹10/- each) (for continuing and discontinued operations)						
	1. Basic:	1.14	1.00	0.23	2.15	0.72	0.17
1	2. Diluted:	1.14	1.00	0.23	2.15	0.72	0.17

For Abhijit Trading Co Ltd Babita Jain

Date: 09.11.2017 Place: New Delhi

Editorials

The Unchahar tragedy points to an unforgivably lax safety protocol

he boiler explosion at NTPC's Unchahar power plant in Rae Bareli underscores the importance of inspections and protocols for hazardous industrial operations. It has cost at least 32 lives and caused severe injuries to scores of personnel. High pressure boilers are hazardous pieces of equipment, which are strictly regulated with special laws. In fact, the basic objective of the Indian Boilers Act, 1923 is to ensure the safety of life and protection of property by mandating uniform standards in the quality and upkeep of these units. That the Uttar Pradesh government failed miserably in meeting this objective is evident from the accident at the public sector facility. Quite clearly, the accident was entirely preventable because boilers are designed to provide warnings as soon as dangerous pressure builds up and trigger automatic safety devices at a critical point. They should undergo periodic inspections to ensure that all these features are working and intact. At the Unchahar plant, the blocking of an outlet for waste gases by ash, unusual in a fairly new boiler, calls for an inquiry into the quality of the equipment and the fuel used. Ideally, these aspects should be investigated by an external agency and not the NTPC.

Industrial regulation has, unfortunately, come to be viewed as a barrier to ease of doing business in India. This is a result of inefficiency and corruption and the typical response of governments has been to relax crucial safety checks. Self-certification and third-party certification of facilities has received support from policymakers even in the case of boilers. Soon after assuming office, Prime Minister Narendra Modi likened maintenance of boilers to that of a privately owned car, where owners should be trusted to do their best because they understand the need for safety in its operation. But the two are not comparable. The Unchahar accident shows it is in everyone's interest to have a transparent regulatory mechanism for hazardous industrial activity. The safety and welfare of workers and the public at large cannot be compromised. A rigorous approach to accident reporting must become part of the process if the weak spots in regulation are to be addressed. National Crime Records Bureau data provide insights into casualties caused by industrial boiler and gas cylinder explosions — there were 61 deaths in 2015 — and the rise in the number of accidents over the previous year points to the need for strict enforcement of safety protocols. The loss suffered by families of workers due to an accident that could have been averted cannot be compensated just financially. It must be the Centre's endeavour to see that measures taken to make it easy to do business do not translate into lack of regulation, and putting lives at risk. Administrative reform can eliminate the corruption of inspector raj and achieve transparent regulation, while keeping the workplace safe.

The global community cannot afford to ignore Myanmar's treatment of the Rohingya

early three months after violence escalated against the Rohingya in Myanmar's Rakhine State, leading to the exodus of more than half a million to neighbouring Bangladesh, State Counsellor Aung San Suu Kyi finally visited the region. By all accounts, Ms. Suu Kyi had little more than platitudes to offer and her words showed no recognition that what transpired is a "textbook example of ethnic cleansing", as the UN Human Rights chief put it. This is extremely disappointing. Ms. Suu Kyi endured years of house arrest and unremitting hostility from the military junta before emerging victorious in a free and fair election two years ago. But despite taking over a top post after the election, her civilian government's powers have been clipped as the military still holds sway over defence, home affairs and border issues. Ms. Suu Kyi, a recipient of the Nobel Peace Prize, has found it pragmatic not to challenge the official rhetoric in Myanmar, which suggests the military's actions were aimed at tackling "terror" in Rakhine. This could be for two reasons. First, she does not want to upset the fragile balance of power in the fledgling democracy after years of rule by the junta. Second, there is a clear lack of empathy for the Rohingya in a country that has seen the rise of Buddhist and Bamar majoritarianism that has corresponded with an official "othering" of the Rohingya, who are Muslims, as non-citizens. Despite the widespread international condemnation of her government's actions, Ms. Suu Kyi has sought to pander to the domestic gallery by defending the military's actions in Rakhine. Her conduct during her visit to the region this week suggests that she has no intention of effecting any real or meaningful change in her government's position on the

The Rohingya, meanwhile, have been left to deal with themselves, unwanted and stateless in their homeland and forced to migrate, mostly to Bangladesh, in hazardous conditions. Dhaka has been trying to drum up support and relief for the constant and unremitting stream of refugees making their way to Bangladeshi soil. Against this background, it is unfortunate that New Delhi has turned its back on the Rohingya refugees, leading to perceptions that it has failed to rise to its status as a regional power and take the lead in dealing with the humanitarian crisis. The Myanmar government has said that it will repatriate returning Rohingya if they prove they were residents of Rakhine, but it is not clear how the refugees would be able to do so having been denied citizenship and having fled their villages under duress with barely anything in hand. Myanmar's evasiveness makes it all the more imperative that the international community, including India, quickly provide succour for the hundreds of thousands of Rohingya who are living on the edge.

Printed, Published and Ownerd By Braj Bhushan Rai From S-557, 1st Floor, Main Road, School Block, Shakarpur, Delhi-110092 and Printed at M/S Maruti Nandan Printers and Publisher-A-15, Bara Bagh, G.T. Karnal Road Industrial Area, New Delhi.

> Editor: Braj Bhushan Rai RNI No.: DELENG/2015/65362

CBI gets 3 days to 'interview' Stung, Gurgaon cops say we boy, lawyers seek proof

of Class 2 student Pradhyumn Thakur, inside the Bhondsi campus of Ryan International School, took an unexpected turn on Wednesday after the CBI produced a Class XI student of the same school as an accused before the Gurgaon juvenile court, which sent the boy to a correction home for three days.

Arguing they have to recover certain items related to the case, as well as recreate the crime scene, CBI had sought six days from the court. Eventually, judicial magistrate (first class) Devender Singh granted three days, with the rider CBI can interview the student only between 10am and 6pm while he spends the nights at a correction home in Faridabad. He will be produced before court

again on Saturday We opposed CBI's request for remand. After hearing all parties, the court granted them three days," said advocate Sandeep Aneja, counsel for the accused. Advocate C K Sharma, another counsel, said their client is being falsely implicated by CBI. "So far, and teachers and made

The probe into the murder CBI has not produced anything to show his involvement in the case," said Sharma. The father of the accused, himself a lawver and a member of Gurgaon district bar association, said, "My son is innocent."

> A relative of the accused student, who was present in court, claimed the boy

We've not witnessed any change in his (Class XI student) behaviour since the day of murder

A RELATIVE

had scored over 80% marks in the Class X board exam. "We've not witnessed any change in his behaviour since the day of the murder. He was leading a normal life," he said, adding he was the one who had first spotted Pradhyumn lying in the bathroom floor and

informed school staff. "We've been cooperating with CBI. Two days back, the accused was called to the CBI office in Delhi, where he was confronted with some school staff

to sign on a blank paper. On Tuesday, he was detained and today they produced him before court," he said, adding they are shocked with the way CBI has probed the

Local lawyers, who had boycotted bus conductor Ashok Kumar -the prime accused in the case filed

by Gurgaon police, and

arrested Ryan officials Francis Thomas and Jayesh Thomas -were present in full strength Ashok Kumar. at the juvenile court premises, in solidarity with the father of the accused student, who is a member of the bar. "Law is equal for everyone, even for lawyers. We will not support anyone involved the result of torture.

in unlawful activity, but we will defend our members if they are being framed," said Gurgaon district bar association president Sudesh Yadav. "Lawyers are human and have emotions. After the Rvan incident, we made an emotional decision to boycott the accused. After the Supreme Court's order, the bar will support legal proceedings," added

> so we tracked him on and other forensic evidence, and found he had planned a murder

statements

changing

with every

session.

and never

matched

e p t

to get the exams and PTM cancelled. He had told his friends there was no need to prepare for exams as it would get cancelled," said a CBI investigator. CBI claimed they

conducted a thorough probe, as part of which. they questioned 125 people, including school staff and students. What helped them zero in on the teenage accused was his cell phone call

records. Sources claimed the first mistake Gurgaon footage. They rested their entire probe on the part showing Kumar entering the restroom and Pradhyumn stumb ling out, ignoring later Police chief B S visuals showing five Sandhu

red-faced, after they ready to file a had boldly claimed to chargesheet.The have conclusively police theory, that solved the case the Kumar was same day as the masturbating in the murder by arresting washroom and killed school bus conductor Pradhyumn when the latter caught him in the The CBI charge act, had been met with challenges Gurgaon scepticism even by police's hasty arrest of Pradhyumn's Ashok Kumar, who also parents."No one can confessed to the crime contradict the before news reporters, investigation done by an act that his lawver Haryana Police. I'm and family claimed was sure CBI will also come to the same "When we questioned conclusion, Khirwar the conductor, his had said.

TOI on September 21,

police commissioner

Sandeep Khirwar had

claimed they got the

right man and were

Pradhyumn Thakur time period. In an

CBI on Wednesday

implicated a Class 11

student of Ryan

International School,

has left Gurgaon police

i t h sequence of events. The teenage accused. too, kept Ashok Kumar, the conductor accused of murder, after his arrest switching statements, He was singing a confessional different tune on , call records Thursday . "CBI has taken a different route

of investigation than ours. Our probe was never concluded.We claimed what we found within 12 days. Afterwards, they got two months. We want justice for the family and punishment for the accused," said Khirwar. The Gurgaon police probe was conducted by an SIT led by DCP (south) Ashok Bakshi, who on September 13 had said, "We've questioned Ashok Kumar a n d reconstructed the crime scene several times. All talk of him being a scapegoat or and demand a CBI police made in their there being other probe. After living with botched probe was in suspects are a social stigma and analysing CCTV video rumours. He's the sole coping with utter accused and we nabbed him after an efficient probe." Confronting allegations shoddy o f

got 12 days, CBI had 2 months The new turn in the the toilet during the has arrested one more person in the case. The murder case, in which interview published in probe is on. It's being done by CBI, so they'll decide. Everything is a matter investigation.

Meanwhile, Pradhyumn's family claimed there could be a bigger conspiracy behind the murder. Sources claimed the CBI is also probing the involvement of a teacher, though there was no official word on that.

Conductor's kin to file case against officers Gurgaon: The kin of jailed Ashok Kumar (42) feel vindicated at the CBI's clean chit to the bus conductor, who has been languishing in jail for the past two

> months on charge of Pradhyumn Thakur's murder. Half the battle won, they are now planning to file a case against the Gurgaon police and demand compensation for implicating Ashok and torturing him to "give a false

statement".

Ashok's lawyer Mohit Verma said his main aim right now was to ensure his bail at the earliest. Ashok was picked up by Gurgaon police from Ryan International School at Bhondsi, a few hours after Pradhyumn was found murdered inside a toilet on the campus on September 8

The unusual haste with which the cops had made the arrest and claimed to have cracked the murder mystery had even prompted Pradhyumn's father Barun to question the police investigation penury for the two months at their Ghamroj village home, the family finally heaved a sigh of relief investigation, Haryana on Wednesday as the CBI arrested a Class XI student in connection with the murder.

A senior brought poison school, claim students

Two students of Ryan International School, Bhondsi, on Wednesday alleged a student of the school's senior wing had brought a bottle of poison to school in an alleged attempt to defer the halfyearly exam and a parentteacher meeting (PTM). This was before Pradhyumn Thakur was murdered on September 8. The students made the revelation on the day a 16-yearold student of the school was apprehended by the CBI as the prime suspect in Pradhyumn's

murder. A Class 9 student said "a student from the senior wing" had brought a bottle containing poison to the school. The boy, he said, tried to trick some students into drinking it. "Fortunately, kids grew suspicious and refused to drink it.When some

students questioned the boy, he confessed that he was carrying poison in the bottle and wanted the exams to be postponed. He thought that the management would declare a holiday, if any untoward incident happens on the school premises," the student said. A Class 11 student

confirmed the poison bottle was brought to the school. He also claimed the incident was brought to the notice of the class student informed the class teacher about the poison. We never heard from the teacher after that. We laughed it off and never thought he would the exams could be actually try to kill deferred. Fortunately, somebody to defer an nobody drank it," said the exam," the student said.

students poisoned water would kill someone and the PTM would be deferred. Other students thought it was just a prank. ABhondsi-based tutor, who coaches some Rvan students, claimed some students had brought this to his notice. "I am a Ryan teacher, but was not school alumnus and taken seriously . "A teach senior students. Some of them told me poison was brought to

Class 11 student said she

too had heard about the

incident."The student

reportedly added poison

to water and offered it to

his classmates. My son

told me. He even told

school by a student with an intention to kill someone so the PTM and tutor, requesting The mother of another anonymity.

just keeps getting worse, other people were near Wednesday said, "CBI city now staring at emergency

dystopic smog that had descended on the city the previous day. The air quality in fact worsened, with the average air quality index (AQI) logging 478, just 22 points below the point on the AQI scale when a public

There was no respite on the normal of 60 will be calm in the Wednesday from the micrograms per cubic morning and visibility will metre, with Delhi Technological University (DTU) recording an alarming 999. Faridabad and Noida also had severe pollution, with AQI levels there reading 472 and 469, respectively Experts said the situation

OUR CITY IS POLLUTED THAN BENGALURU

health emer gency is indicated. People complained of shortness of breath, burning eyes and runny noses, and many felt suffocated by the grey smoggy canopy over the city.

Visibility plummeted to 100 metres in certain areas of the capital at 5am. All air quality monitoring stations had logged "severe" pollution by 5pm, and the AQI touched the maximum of 500 on the Central Pollution Control Board's index at certain spots.Meanwhile, PM2.5 levels continued way off is likely to remain the same for at least another 24 hours. This means Delhi will suffer another day of severely poor air quality on Thursday. "We are seeing the effects

of the westerlies and easterlies, one bringing moisture and the other bringing pollutants. It is currently the phase when particles accumulate, and there is likely to be further deterioration," explained Dipankar Saha, head of CPCB's air laboratory. "Improvements may be seen from Saturday

onwards, but till then,

wind speed on the ground

Peak concentration of tiny , respirable PM2.5 pollutants was on an average between 13 and15 times the national 24-hour safe standard of

likely remain poor."

60 micrograms per cubic metres on Wednesday. At DTU, PM2.5 concentration went off the chart around 1 pm when it crossed 999 micrograms per cubic metre. Anand Vihar recorded PM2.5 levels at 855 micrograms per cubic metre at 5 am on Wednesday, nearly 14 times the safe standard, while the figures at Mandir Marg and RK Puram peaked at 807 micrograms per cubic metre and 843 micrograms per cubic

The average PM2.5 level was worst at Punjabi Bagh on Wednesday hovering at 760 micrograms per cubic metre over 24 hours.

metre, respectively.

Last year, an AQI of 485 was recorded on November 5 with the capital enveloped in a similar haze and a high concentration of polluting particles under similar weather conditions

Junaid's dad sought Rs 2cr, land from accused: Cops "I was informed by a Mohinder Singh, DSP

o n

The Haryana Police on Wednesday filed a fresh affidavit in the Punjab and Haryana high court, claiming Jalaluddin Khan, father of 16-year-old Junaid who was stabled to death on a train in June, had asked for Rs 2crore and 3 acres of land from the accused to settle the case.

(railways), Faridabad, who filed the affidavit on Wednesday, said he came to know about the demand from a "secret informer." The police move came in response to the affidavit of Jalaluddin, denying participation in any panchayat for compromise.

secret informer about participation of Junaid's father Jalaluddin in the panchayat wherein he raised a demand of Rs 2crore and 3 acres of land from the accused party for the settlement in the murder case," said the DSP in his affidavit.

Įiii terinis Or Reg	julation 47	(1) (b) of the	r and ha l f year e SEBI (LODR)	Regulation	s, 2015]	mount in Rs
		Quarter End	led	Half yea	Year Ende	
Particulars	Current 3 Months Quarter ended (01.07.2017 to 30.09,2017	Previous 3 months Quarter ended (01.04.2017 to 30.06.2017)	Corresponding 3 months of Current Quarter ended in the previous year (01.07.2016 - 30.09.2016) (₹)	year ended	Corresponding Half year ended in the previous year (01.04.2016 to 30.09.2016) (₹)	Previous accountin year ende (01.04.201 to 31.03.2017 (₹)
	(Unaudited)	(Unaudited)	(Unaudited)	(Unaudited)	(Unaudited)	(Audited
Total Income from Operations	1,824,928.50	1,822,770.00	1,824,358.60	3,647,698.50	3,660,892.05	7,420,751.0
Net Profit / (Loss) for the period (before tax, Exceptional and/or Extraordinary items)	1,675,687.87	1,471,311.00	340,071.36	3,146,998.87	1,062,532.47	2,388,076.3
before tax (after Exceptional and/or I	1,675,687.87	1,471,311.00	340,071.36	3,146,998.87	1,062,532.47	982,151.3
Net Profit / (Loss) for the period after tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	1,675,687.87	1,471,311.00	340,071.36	3,146,998.87	1,062,532.47	255,109.3
Total Comprehensive Income for the period [Comprising Profit / (Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)]	1,675,687.87	1,471,311.00	340,071.36	3,146,998.87	1,062,532.47	255,109.3
Paid Up Equity Share Capital (Face Value of ₹10/-) each	14,661,950.00	14,661,950.00	14,661,950.00	14,661,950.00	14,661,950.00	14,661,950.0
Reserves (excluding Revaluation Reserve)as shown in the Audited Balance Sheet of the previous year	-	-	-	-	-	67810963.5
Earnings Per Share (of ₹10/- each) (for continuing and discontinued operations)						
1. Basic:				2.15		0.1
	Total Income from Operations Net Profit / (Loss) for the period before tax, Exceptional and/or Extraordinary Items) Net Profit / (Loss) for the period before tax (after Exceptional and/or Extraordinary Items) Net Profit / (Loss) for the period after tax (after Exceptional and/or Extraordinary Items) Net Profit / (Loss) for the period after tax (after Exceptional and/or Extraordinary Items) Total Comprehensive Income for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)] Paid Up Equity Share Capital (Face Value of ₹10/-) each Reserves (excluding Revaluation Reserve)as shown in the Audited Balance Sheet of the previous year Earnings Per Share (of ₹10/- each) (for continuing and discontinued operations)	Months Quarter ended (01.07.2017 3.09,2017 (C) (Unaudited) Total Income from Operations Net Profit / (Loss) for the period (before tax, Exceptional and/or Extraordinary items) Net Profit / (Loss) for the period before tax (after Exceptional and/or Extraordinary items) Net Profit / (Loss) for the period Extraordinary items) Net Profit / (Loss) for the period Extraordinary items) Net Profit / (Loss) for the period Extraordinary items) Net Profit / (Loss) for the period Extraordinary items) Total Comprehensive Income for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax) Paid Up Equity Share Capital (Face Value of ₹10/-) each Reserves (excluding Revaluation Reserves) as shown in the Audited Balance Sheet of the previous year Earnings Per Share (of ₹10/-) each) (for continuing and discontinued operations) 1. Basic: 1.14	Particulars Current 3 Months	Months Quarter ended Q1.07.2017 Q1.04.2017 Q1.04.2016 Q1.04.2017 Q1.	Particulars	Particulars Current 3 Months Quarter (01.01.01.7) Current (0

DIN-00560562 Place: New Delhi Millenium Today Millenium Today Millenium Today Millenium Today Millenium Today Millenium Today